मास्टर प्लान-2031 | औद्योगिक क्षेत्र को शहर से बाहर करने की योजना, आवासीय इलाकों से अलग रखी जाएगी इंडस्ट्रियल टाउनशिप, औद्योगिक क्षेत्र में आवासीय विस्तार की अनुमति नहीं

हाजीपुर में बनेगी इंडस्ट्रियल टाउनशिप, हाईवे भी जुड़ेंगे

ग्रेटर पटना
सुंदर हो शहर अपना

पटना नगर निगम के ड्राफ्ट मास्टर प्लान में औद्योगिक क्षेत्र को शहर से बाहर करने की योजना है। इसको लेकर विशेष योजना तैयार की गई है। अभी हाजीपुर में प्रस्तावित इंडस्ट्रियल टाउनशिप बनाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। राष्ट्रीय राजपथ 74 व स्टेट हाईवे 77 को प्रस्तावित इंडस्ट्रियल एरिया से जोड़ा जाएगा। सरकार ने पहले से निर्धारित कर लिया है कि औद्योगिक इकाइयों को स्थापित कराने के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की जा रही है। वर्तमान औद्योगिक इकाइयों को धीरे-धीरे प्रस्तावित स्थलों पर शिफ्ट किया जाएगा।

फतुहा से बिहटा तक प्रस्तावित रिंग रोड

पटना| सरकार विस्तृत पटना के हाजीपुर को इंडस्ट्रियल टाउनशिप के रूप में विकसित करने पर विचार कर रही है। इसके लिए हाजीपुर के इंडस्ट्रियल एरिया से लेकर राघोपुर के पास तक के खाली भाग को रखा जाएगा। इसके अलावा फतुहा से लेकर बिहटा तक प्रस्तावित रिंग रोड के अगल-बगल भी इंडस्ट्रियल हब बनाने की योजना है। इन स्थानों को स्पेशल इकॉनोमिक जोन (सेज) में रखा जाएगा। इस प्रकार की व्यवस्था से बाहरी कंपनियों को जमीन देने के बारे में सरकार तुरंत कोई फैसला ले सकेगी। अभी तक सेज के अभाव में प्रदेश में औद्योगिक इकाइयों के प्रस्ताव पर तुरंत कार्रवाई नहीं हो पाती है। इस स्थिति में निवेश करने वाली कंपनियां दूसरे प्रदेशों में चली जाती हैं। मास्टर प्लान में अलग से इसके लिए व्यवस्था रहेगी।

कृषि कार्य के लिए अलग से व्यवस्था

शहरी क्षेत्र के बगल की कृषि योग्य भूमि को बरकरार रखने का फैसला लिया गया है। मास्टर प्लान में साफ किया गया है कि भले ही फतुहा से बिहटा और सोनपुर व हाजीपुर ग्रेटर पटना के भाग होंगे। इन इलाकों में कृषि क्षेत्रों के साथ छेड़छाड़ नहीं होगी। पुनपुन नदी के आसपास के इलाकों में शहरी खेती को बढ़ावा दिया जाएगा। कृषि के लिए खेती योग्य भूमि का विस्तार किया जाएगा।

पुनपुन नदी के पास सीवरेज सिस्टम प्लांट का होगा निर्माण

पुनपुन नदी के आसपास सीवरेज सिस्टम प्लांट का निर्माण होगा। नए शहर की कॉलोनियों के सीवरेज सिस्टम के नोड को जोड़कर वहां तक लाया जाएगा। एक स्थान पर अलग-अलग सीवरेज सिस्टम प्लांट का निर्माण कर प्रोसेसिंग कराई जाएगी। पुनपुन नदी में सीवरेज का पानी जाने से पहले उसे पूरी तरह से साफ किया जाएगा। शहरी इलाकों में भी गंगा नदी में सीवरेज के पानी को गिराने से पहले सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का विस्तार किया जाएगा। नए बसने वाले शहर को पूरी हर तरफ से ड्रेनेज व सीवरेज सिस्टम से जोड़ा जाएगा, ताकि वहां जल जमाव व अन्य परेशानियों का सामना न करना पड़े।

ग्रेटर पटना अच्छी पहल पर पूर्व के निर्णय पर भी पुनर्विचार हो

ग्रेटर पटना पर पहल अच्छी बात है, लेकिन राज्य सरकार द्वारा पूर्व में लिए गए निर्णय पर भी पुनर्विचार करना चाहिए। पटना जंक्शन के समीप पुरानी जेल की खाली जमीन पर बुद्ध पार्क बनाया जाना गलत था। वहां पार्किंग स्थल और फुटपाथी दुकानों को लगाने के लिए जगह उपलब्ध कराई जाती तो न सिर्फ ट्रैफिक की समस्या से निजात मिलती, बल्कि बेरोजगारों को रोजी-रोटी कमाने का एक ठौर भी मिलता। बुद्ध पार्क को शहर से बाहर स्थानांतरित कर देना चाहिए।

प्रो. डॉ. वीरेंद्र झा, मैथिली विभाग के अध्यक्ष, पटना कॉलेज

आप बताएं
कैसा हो प्लान

ग्रेटर पटना का मास्टर प्लान-2031 बन चुका है। इसके अनुसार, पटना 10 गुना बड़ा हो जाएगा। नागरिक सुविधाएं बढ़ाई जाएंगी। इसे लागू करने के पहले सरकार इसे पब्लिक डोमेन पर डालेगी। आपसे राय ली जाएगी। फिर अच्छे सुझाव पर विचार कर संशोधन किया जाएगा। हम आपको मास्टर प्लान से रूबरू करा रहे हैं। इस प्लान की खासियत क्या है। शहर का विकास कैसे होगा और भविष्य की क्या योजनाएं हैं, इसके बारे में क्रमवार बताएंगे। आप भी अपने बहुमूल्य सुझाव हमें दें, ताकि हम इसे सरकार तक पहुंचा सकें, ताकि इसमें सुधार ला कर शहर का सही विकास हो सके।

ई-मेल पर भेजें अपने सुझाव-
bhaskarpatna@dainikbhaskar-group.com